

भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग

केंद्रीय जल आयोग

जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय



Government of India

Ministry of Jal Shakti

Dept. of Water Resources, RD&amp;GR

Central Water Commission

Water System Engineering Directorate

दिनांक: 09-03-2020

विषय - समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतिकरण।

जल संसाधन विकास और संबद्ध विषयों से संबंधित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है। इन समाचारों की कटिंग की सॉफ्ट कॉपी केन्द्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी।

संलग्नक: उपरोक्त

इ-ए जल शक्ति  
एस. पी. ए. (प्रकाशन)  
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय  
9-3-2020

सहायक निदेशक, (ज. प्र. आ.) निदे०

उप निदेशक, (ज. प्र. आ.) निदे०

निदेशक, (ज. प्र. आ.) निदे०

प्रति आ.  
09-03-2020

सेवा में,

अध्यक्ष, के. ज. आ., नई दिल्ली

जानकारी हेतु - सभी संबंधित केन्द्रीय जल आयोग की वेबसाइट [www.cwc.gov.in](http://www.cwc.gov.in) पर देखें।

Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru)  
☐ Deccan Chronicle  
☒ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

and documented at WSE Dte, CWC.

# 7 states saw drop in rainfall in last 30 yrs

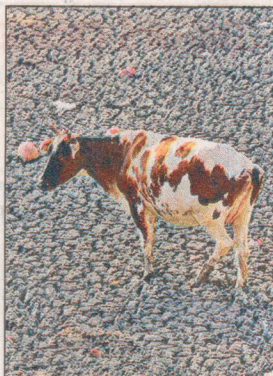
## India Also Saw More 'Dry Days': Govt Report

**TOI** — **9/3**  
Vishwa.Mohan  
@timesgroup.com

**New Delhi:** Seven states — Uttar Pradesh, Bihar, West Bengal, Himachal Pradesh, Arunachal Pradesh, Meghalaya and Nagaland — have shown “significant decreasing trends” in annual rainfall in the last 30 years and many parts of the country witnessed increase in number of “dry days” during the monsoon season which adversely affected groundwater recharges in these regions.

These are some of the key findings of a report, ‘Observed Rainfall Variability and Changes’, which was shared by the ministry of earth sciences (MoES) with a parliamentary panel in response to the latter’s queries on changing rainfall patterns in the context of its impact on agriculture. The ministry analysed rainfall pattern over 28 states and the Union Territory of J&K based on data of the last 30 years.

The report said the situation for agriculture or water recharge in certain states in the Ganga river basin (UP,



**NOT A DROP IN SIGHT**

Bihar and West Bengal), Delhi and some southern states was “alarming”, as the number of dry days (daily rainfall of 2.5 mm or less) during the south-west monsoon was “significantly increasing”.

MoES secretary Madhavan Rajeevan said, “It could be attributed to climate change. Global warming is happening and it has impacted the climate in India as well. As a result, many parts of the country have seen decreasing trends while others witnessed increasing trends.”

“Such a study may help farmers plan their agricultural activities and conserve/utilise available water resources,” Rajeevan said. The parliamentary standing committee on science & technology and environment, headed by Congress’s Jairam Ramesh, submitted its report to Parliament on Friday.

“Five states, viz Bihar, Meghalaya, Nagaland, West Bengal and Uttar Pradesh, have shown statistically significant decreasing trends in south-west monsoon rainfall. These five states, along with two more states — Arunachal Pradesh and Himachal Pradesh — have also shown statistically significant decreasing trends in annual rainfall,” the report said. The report said the frequency of rainfall of lower intensity, favourable for soil and ground water recharge, was decreasing in these regions. Overall, there was significant changes in the frequency of dry days, rainy days and heavy rainfall events in different parts of the country.

Full report on [www.toi.in](http://www.toi.in)



Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru)  
☐ Deccan Chronicle  
☐ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☒ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☒ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐

and documented at WSE Dte, CWC.

Hindu

## BJP should ask Gujarat to sign water pact: Patil

H-9/B

PRESS TRUST OF INDIA  
AURANGABAD

Irrigation Minister Jayant Patil has said BJP leaders from Maharashtra should urge the saffron party-led government in Gujarat to sign the agreement for inter-State water-sharing projects.

This will help Marathwada region too, and the State government has given preference to solve water problems in the drought-prone region, the minister told reporters after a meeting with department officials on Saturday.

Asked about the criticism from BJP leaders about no provision made for Marathwada in the State budget, he said, "Thirty projects are planned, and of them, 11 are completed to channel water towards Marathwada. Seven more such projects will commence in the coming times."

"The BJP leaders, rather than pointing at us, if they think projects for Marathwada are important, they should insist upon their Gujarat leaders to sign the inter-State agreement," Mr. Patil said.

Tribune

## MPs' committee seeks robust system for packed water

NEW DELHI, MARCH 8

T-9/B

The Parliamentary Standing Committee on Water Resources has recommended to the government to expeditiously set up a robust monitoring mechanism to ensure selling of "packaged" drinking water/mineral water as per quality standards prescribed by the law.

In its report tabled in Parliament, the committee expressed concerns that low quality water was being sold in the market in the name of packaged water causing serious health hazards.

It pitched for ringing in "urgent measures" to beef up the monitoring staff in States and the UTs to address the issue. The recommendations are in the context of the committee's conclusion that there were very few convictions as against the number of violations reported during the past five years: 2014-15 to 2017-18. — TNS



Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru)  
☐ Deccan Chronicle  
☐ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

☐  
☐  
☐  
☒  
☐  
☐  
☐

and documented at WSE Dte, CWC.

सीएडी प्रशासन ने नहरी पानी पर चौकसी बढ़ाई

# मध्यप्रदेश ने अपने हिस्से का पूरा पानी मांगा, हाड़ौती में भी किसान आंदोलन की राह पर

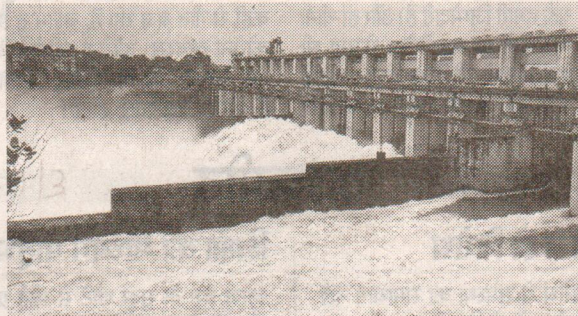
पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क  
patrika.com

कोटा. मध्यप्रदेश ने चम्बल की दाईं मुख्य नहर से अपने हिस्से का सिंचाई के लिए पूरा पानी देने की मांग उठाई है। मध्यप्रदेश सहित हाड़ौती के किसानों की सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ने से सीएडी प्रशासन परेशान है, क्योंकि हाड़ौती में भी किसान पानी की मांग को लेकर जगह-जगह आंदोलन कर रहे हैं। राजनीतिक दबाव भी शुरू हो गया है। वहीं मध्यप्रदेश के अधिकारी भी पूरा पानी नहीं देने से खफा हैं। आगामी पन्द्रह से बीस दिन तक नहरी पानी की 'यादा मांग रहेगी। गेहूं की फसल के लिए पानी की मांग है। चम्बल की दाईं मुख्य नहर से पार्वती एक्वाडक्ट से मध्यप्रदेश को सिंचाई

## लोकसभा अध्यक्ष ने दिए थे निर्देश

गौरतलब है कि पिछले दिनों लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संभागीय आयुक्त को फोन कर टेल तक पानी पहुंचाने की जो बाधाएं आ रही हैं, उन्हें दूर कर पानी पहुंचाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने टेल क्षेत्र का दौरा कर पानी नहीं पहुंचने के कारणों की समीक्षा की थी।

के लिए पानी दिया जाता है। जल बंटवारे के मुताबिक मध्यप्रदेश को 3450 क्यूसेक पानी दिया जाना है, लेकिन नहर पूरी क्षमता से चलाने पर भी इतना पानी दिया जाना संभव नहीं है। मध्यप्रदेश के सिंचाई विभाग के



नहरों की सफाई नहीं होने से पानी पहुंचाने की समस्या आ रही है। इस बारे में अभियंताओं से लगातार चर्चा की जा रही है। प्रयास रहे हैं कि सभी जगह मांग के अनुरूप पानी पहुंच सके।

**सुनील गालव,** सभापति, चम्बल परियोजना

अभियंताओं ने पत्र लिखकर नहरी पानी की मांग की है, क्योंकि कोटा और बारां जिले के किसानों को भी

इस नहर से ही पानी दिया जाता है। टेल क्षेत्र की कई छोटी नहरों में 20 से 25 दिन से पानी नहीं पहुंचा है।

## क्लोजर नहीं लेने से बढ़ी समस्या

सीएडी के अभियंताओं का कहना है कि इस बार मुख्य नहरों में क्लोजर नहीं किया गया है। इस कारण नहरों में कंजी फैल गई है। जलप्रवाह में बाधक साबित हो रही है। नहरें पूरी क्षमता से चलाने के बाद भी पानी आगे नहीं बढ़ पा रहा है। अब कुछ जगहों पर मशीनें लगाकर सफाई करवाई जा रही है।

इस कारण फसलों को बचाने के लिए किसान आंदोलन पर उतर गए हैं। वहीं सीएडी प्रशासन ने नहरी पानी की चौकसी बढ़ा दी है। मध्यप्रदेश के साथ टेल तक पानी पहुंचाने का प्रयास शुरू कर दिया है।

## नहरबंदी के दौरान मजबूत रखें पेयजल प्रबंधन

प्रभारी मंत्री ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आगामी 70 दिन के लिए हो रही नहरबंदी को ध्यान में रखते हुए इस अवधि के दौरान पीने के पानी के लिए पर्याप्त मात्रा में जल संग्रहण सुनिश्चित करें और ध्यान दें कि यह पानी केवल पीने के उपयोग में आए। उन्होंने सोलर नलकूप के प्रस्ताव भेजने के साथ ही कंटीजेंसी प्लान के कार्यों को समय पर करने के लिए कहा, वहीं विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता को अंडरटैकिंग के तहत जलदाय विभाग को विद्युत कनेक्शन जारी कराने को कहा।



Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru)  
☐ Deccan Chronicle  
☐ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☒ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐

and documented at WSE Dte, CWC.

# BBMP council unites over water shortage this summer

DH-8/3

**BWSSB chairperson promises additional 50 MLD water this summer**

BENGALURU, DHNS

**F**ighting indifferences over issues ranging from garbage to footpath, corporators at the BBMP council, for a change, stood united on Saturday over the looming threat of a shortage of potable water this summer.

Apprehensive over the steady supply of potable water, the council held a special meeting in the presence of BWSSB chairperson Tushar Girinath to discuss the possible alternatives.

Highlighting citizens' plight, Muneendra Kumar, leader of the ruling party, said: "There is already a severe shortage of water in the start of the summer. What will be the scene during its peak? Even if you dig 1,300 ft, there is no guarantee

of water in Bengaluru. In the Yelahanka Zone alone, we have dug over 76 borewells. Still, we are unable to cope with the situation."

Yet another senior BJP leader Padmanabha Reddy said: "The BBMP is caught in a bitter fight between BWSSB and BDA, especially along the outskirts. The board claims to have installed the sewerage network all across the city. Yet the sewage is getting into stormwater drains and people have been cursing us. When the BWSSB plans its projects, none of us is consulted in our own wards. What shall we tell citizens when they ask about the supply of water?"

Joining the debate, former Mayor G Padmavathi said, "There is water politics in my ward where powerful leaders take over the water-valve. When we call BWSSB officials over the improper supply of water, they do not even receive our calls.

"When people question about the exorbitant water bills, they are sent from pillar to post. During the two-hour water supply, only air gushes



(L-R) Deputy mayor C R Ramamohan Raju, Mayor M Goutham Kumar, BBMP commissioner B H Anil Kumar and BWSSB chairman Tushar Girinath during the council meeting on Saturday. DH PHOTO/S K DINESH

out of the pipe. Citizens are burdened unnecessarily with the costs."

## Population up; no water

Abdul Wajid, Leader of the Opposition in the Council said, "Ever since the 110 villages were added to the BBMP limits, Bengaluru's population has shot up by 40 per cent. However, the quantity of water supplied has remained the same even after a decade. I wonder whether Bengalureans are

getting their share of water as advocated by WHO."

BJP leader Padmanabha Reddy demanded that the BWSSB must issue a deadline on when it will supply water in these 210 villages as work has been happening for close to a decade.

"The government has embarked on the Yettinahole project. What plans does BWSSB have to get water to TG Halli and when will it reach Hesaraghatta? Also, has BWSSB

achieved any success in reducing its pilferage and leakage ratio so that the city gets more water?

## BWSSB's response

Replying, Girinath said he would address all the queries and look into every problem raised by the corporators. "This summer we will be getting an additional 50 MLD (5 crore litres) of water every day. Currently, we are supplying about 1,400 MLD across the city and there is scope for supplying another 100 MLD," he stated.

On the digging of roads by BWSSB, Girinath said, "As part of providing a water network to 110 villages, we had dug up a 2,700-km stretch. Of this, the work on 2,075 km has already been completed. A few stretches in Whitefield and HRBR Layout needs to be completed and it will be done soon. By March 2021, we will completely accomplish the work, and work on the 5th phase of the Cauvery water supply will begin. Until the completion of work (2023), we will supply water once a week to these villages."



Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru )  
☒ Deccan Chronicle  
☐ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐

and documented at WSE Dte, CWC.

## Mekong Delta people spend more on freshwater

From dusk till dawn, roaming districts of Giong Tom and Ba Tri in the Mekong Delta province of Ben Tre, are dozens of tractors delivering freshwater to local households. Burdened with massive debts due to crops impacted by saline intrusion, people in the Mekong Delta are now also forced to spend money on freshwater to survive this year's devastating drought. "Have you shipped water to my house?" Bay, a farmer in Giong Tom District, called to ask a provider just to know that how long she would have to wait. "Water ran out yesterday so I have not taken a shower yet," Bay told the online newspaper Vietnamnet. "If they do not deliver freshwater this afternoon, I may have to carry a bucket to my neighbour, asking for water." People of Giong Tom District said their lives were turned upside down after the Tet (Lunar New Year) Holiday, as either tap water or spring water had high salinity, while no households stored freshwater in tanks for daily use. Van, owner of a café in the district's Binh Thanh Commune said tap water had tasted salty for months. "It costs me VND10,000 (43 US cents) a day to buy bottled water for brewing coffee and tea for sale," she said. "My son-in-law had workers from Tien Giang Province drill a well in search of freshwater, but failed. My husband attempted it, but could not find a good source of water," she added.

Van is among "independent" residents as her family owns a tractor which her son drives daily to take freshwater from a well 3km away from her home for cleaning and showering. "It costs VND150,000 (US\$6.48) for a cubic metre of water delivered to your doorstep, while the expense for bring-

## Việt Nam News

THE NATIONAL ENGLISH LANGUAGE DAILY

ing water home on our own is only VND50,000 (\$2.16)," said Van. Sitting in the scorching sun while observing a canal in front of his house, Tu Hieu refrained from taking a dip as he would have to re-shower with freshwater. "I may take a shower at the end of the day," he said. Thousands of people in Ben Tre Province have witnessed their lives slipping into the hands of water providers. "The water shortage happens annually, yet it is more severe this year as saline intrusion happens a month earlier than normal," said Hieu.

Each family spends from VND500,000 to 1.5 million (\$21.6 to 64.8) monthly on fresh water. "However, it is not always available," said Lan in Binh Thanh Commune. "Sometimes it takes two to three days for a tank of water to be delivered, as providers prioritise early orders," she added.

While his neighbours lose sleep over water, Nguyen Van Tam is lucky enough to hit a source. "Unable to afford the high cost of freshwater, I had workers drill a well, hoping to find drinkable water underground. Fortunately, the dream came true," said Tam. "Well water is for cleaning and showering, collected rainwater is for cooking. Last week, when my grandchildren from HCM City came to visit us, I let them use rainwater to shower so it ran out," he said. In front of Nguyen Thi Thuy Tien's house in Tan Hoa Village, Binh Thanh Commune, there is always a crowd waiting to pump water. A month ago, Tien had a well drilled. Her neighbours followed yet were unable to find any groundwater. "It is God's will," said Tien. "Since then, people have come here to buy water for their families or for resale." Tien sells a cubic metre of water for VND20,000 (\$86 US cents).



Hindustan Times (New Delhi)  
 The Statesman (New Delhi)  
 The Times of India (New Delhi)  
 The Indian Express (New Delhi)  
 The Hindu (Delhi)  
 Pioneer (Delhi)  
 राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru )  
☒ Deccan Chronicle  
☐ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐

and documented at WSE Dte, CWC.

# Heavy rain lashes Capital; causes waterlogging, traffic snarl-ups

st-7/3



Pedestrians making attempts to protect themselves from heavy rains in the Capital on Friday.

DEEPAK



Rains affected traffic movement in the Capital on Friday.

AMARJEET SINGH

**STATESMAN NEWS SERVICE**  
 NEW DELHI, 6 MARCH

Heavy rain along with thunderstorm lashed Delhi-NCR today, bringing down the temperature and causing traffic jams and waterlogging in various places.

The downpour that began Thursday evening continued through the day on Friday.

According to the Indian Meteorological Department (IMD), the Safdarjung observatory, which provided representative figures, recorded 16.8 mm rainfall on Friday till 5.30 pm while Palam recorded 22.3 mm rainfall till 5.30 pm.

"Squall line with reflowy upto 50dBz moving north-

eastwards across Delhi has started causing moderate rain and thunderstorm with gusty wind over western parts of Delhi," tweeted IMD.

The national capital has been receiving spells of rains since 4 March reportedly due to a western disturbance. The frequency of rains is likely to reduce on Saturday.

The IMD has also forecast another western disturbance which is likely to impact the northern region from the night of 10 March.

Western disturbances are storms that originate over the Mediterranean region and which typically hit India in winter, bringing rain.

The private weather forecaster Skymet Weather said, "We still have some promising days ahead in the coming week also as we expect some more rains for the state of Haryana."

It had said on Thursday, "Thunderstorms are likely to hit the region from Thursday to Saturday. It will peak on Friday afternoon. Wind speed likely to reach 50 km/hr. Trees and hoardings may get damaged."

The scientists are expecting it to be one of the most intense western disturbances seen so far this year, and said that it will bring widespread snowfall to the hills and rain to the plains.

For some people the downpour turned out to

be "fun" and they shared pictures and videos on their social media.

However, for many this spell of rains caused inconvenience, especially because it resulted in waterlogging on roads and streets and caused traffic snarl-ups across Delhi and its outskirts. The visibility also dropped considerably in the afternoon due to dense clouds.

The rains over the last two days have brought down the temperature. The rains and strong winds have improved Delhi's air quality. At 9:45 am, the overall Air Quality Index (AQI) of Delhi reportedly stood at 69, which is in the "satisfactory" category.



Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru)  
☐ Deccan Chronicle  
☐ The Economic Times (New Delhi)  
☒ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐  
☐

and documented at WSE Dte, CWC.

## HIGHEST 24-HR RAINFALL IN MARCH SINCE 2015

# Waterlogging, jams as rain lashes capital

**EXPRESS NEWS SERVICE**  
NEW DELHI, MARCH 6

**STRONG SHOWERS** lashed the capital Friday, causing waterlogging and traffic jams in parts of the city and also breaking the record of highest 24-hour rainfall in the month of March, since 2015.

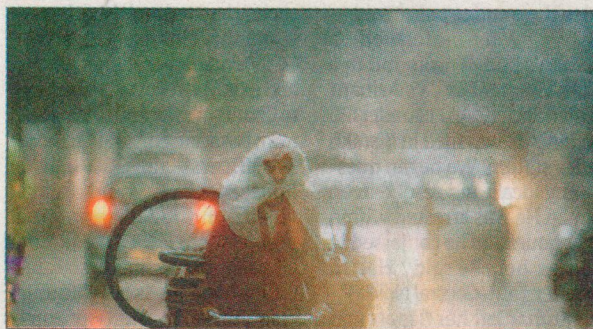
Hail was also reported in parts of the National Capital Region Friday coupled with strong, gusty winds of about 50kmph, as per the India Meteorological Department (IMD).

The IMD's Safdarjung observatory, which is representative of the city, recorded 20.4mm of rainfall in 24 hours since 8.30 am Thursday. On Friday, between 8.30 am and 5.30 pm, there was 16.8mm of rainfall.

The 24-hour rainfall figure recorded on Friday is the highest for the month of March since 2015, when it was 56.8mm on March 2.

Kuldeep Srivastava, head of IMD's regional forecasting centre in Delhi, said, "The reason behind the rains has been a strong Western Disturbance, which was slow moving and that's why rains were recorded over two days."

Parts of the city received more rainfall than others, such as the Ridge, which recorded 24.8mm of rains between 8.30 am and 5.30 pm Friday. The figure in Palam was 22.3mm and



Strong, gusty winds were also witnessed. Praveen Khanna

### THE WEEK AHEAD

Day	Forecast
Sat	Cloudy, light rain
Sun	Clear sky
Mon	Strong winds
Tue	Cloudy, light rain
Wed	Partly cloudy
Thu	Strong winds

Lodhi Road 17.8mm.

Dark clouds covered the sky in parts of the city by late afternoon and the showers brought traffic to a standstill in some areas.

In North Delhi, traffic was affected on Rani Jhansi Road after a wall of an Eidgah collapsed in the rain, Delhi Traffic Police tweeted.

Waterlogging also affected traffic from Majnu Ka Tila towards Wazirabad, and obstruc-

tion in the flow was reported from ITO towards Laxmi Nagar after a vehicle broke down around 7pm, police said.

The rains over the past couple of days have also brought down the mercury. The maximum temperature recorded Friday was 22.4 degrees Celsius, six degrees below normal, while the minimum temperature was 14 degrees Celsius, one degree above normal.

It is forecast that parts of the city may get slight drizzle or very light rain on Saturday, and the sky would be partly cloudy with maximum and minimum temperatures being 25 and 13 degrees Celsius.

Srivastava said the next Western Disturbance is expected to hit the capital on the day of Holi, March 10, when a slight drizzle is expected in the night. The following day could also receive light rain.



Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru)  
☐ Deccan Chronicle  
☒ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

and documented at WSE Dte, CWC.

# City sees highest 24-hour rainfall for March in 5 yrs

**Western Disturbance To Blame; Another Spell On March 10**

TIMES NEWS NETWORK

**New Delhi:** Delhi on Friday recorded its highest 24-hour rainfall in the month of March since 2015. India Meteorological Department (IMD) said that the Safdarjung observatory, which provided representative figures for Delhi, recorded 20.4 mm rainfall till 8.30am. On March 2, 2015, it had rained 56.8 mm in the national capital.

The weather station at south Delhi's Palam logged 15.3mm rainfall, Lodhi Road 20.6mm, Ayanagar 19.1mm and the Ridge station 18.6mm.

Meanwhile, the rain that lashed the national capital overnight and also on Friday afternoon brought the mercury down. Till 5.30pm, Safdarjung recorded 16.8mm rainfall, Palam 22.3mm, Lodhi Road 17.8mm, Ridge 24.8mm and Ayanagar recorded 17.2mm rain.

On Friday, the capital recorded a minimum temperature of 14 degrees Celsius, one notch above normal. The maximum temperature was 22.4 degree Celsius, six notches below the normal.

"There was moderate rainfall both overnight as well as in the afternoon. It was also a windy day with an average wind speed of 30-35 km per hour and gusty spells up to 50km per hour. Another western disturbance is also coming on March 10 and drizzle is expected in the night. On March 11 and 12, light rain is

Piyal Bhattacharjee



**WINTER LINGERS ON:** The overnight rain brought the mercury down in the capital to a minimum of 14 degrees Celsius on Friday

expected," a Met official said. On Saturday, partly cloudy sky is expected with possibility of very light rain or drizzle.

The maximum and minimum temperatures would be around 25 degrees and 13 degrees Celsius, respectively.

The strong winds and overnight rain also helped the pollution levels in the city stay in the satisfactory level as the 24-hour average air quality index (AQI) clocked 64, a marginal improvement from Thursday's 79, as per the Central Pollution Control Board (CPCB)'s 4pm bulletin.

An AQI between 0 and 50 is considered good, 51 and 100 satisfactory, 101 and 200 moderate, between 201 and 300 poor, between 301 and 400 very poor and between 401 and 500, it is considered severe.

As per CPCB, Delhi-NCR's average PM2.5 levels were recorded at 20.1 micrograms per cubic metre at 8pm on Friday, well within the safe standards. The average PM10 levels were recorded at 41.4 micrograms per cubic metre the same time. The "emergency" benchmark for these pollutants under the Graded Response Action Plan is, respectively, 300 and 500 micrograms per cubic metre, while the safe standards are 60 and 100 micrograms per cubic metre.

According to SAFAR, the regional air quality has improved significantly owing to the aerosol washout process. "An improvement in AQI to the lower end of satisfactory to the good category is expected for tomorrow. The AQI is likely to stay in the satisfactory category for Sunday. It may marginally deteriorate and enter the moderate category on Monday," a SAFAR report said.



Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru)  
☐ Deccan Chronicle  
☐ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☐ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

☐  
☐  
☐  
☒  
☐  
☐  
☐

and documented at WSE Dte, CWC.

**पेट्रोलियम-जलशक्ति मंत्रालय मिलकर खारे पानी को बनाएंगे पीने योग्य**

## अब बाड़मेर-जैसलमेर में मिला 482 बिलियन क्यूबिक मीटर का जल भंडार

पत्रिका ब्यूरो  
patrika.com

RP-7B

नई दिल्ली. केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के एक प्रयास से पश्चिमी राजस्थान की किस्मत बदलने वाली है। पेट्रोलियम मंत्रालय सीमावर्ती जिले बाड़मेर-जैसलमेर की भूमि से इतना पानी निकालने वाला है कि पश्चिमी राजस्थान में आगामी 100 वर्ष तक पानी की कमी नहीं होगी।

शुक्रवार को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के कार्यालय पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने पश्चिमी राजस्थान को लेकर एक प्रजेंटेशन पेश किया।

अधिकारियों ने बताया कि बाड़मेर-जैसलमेर में 482 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध होने

का अनुमान लगाया है। हालांकि यह पानी खारा है और इसका टीडीएस 1000 से 10000 तक है। आकड़ों के मुताबिक, आगामी 30 वर्षों तक सभी कार्यों में प्रयुक्त जल कृषि, पेयजल, औद्योगिक इकाइयों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। प्रजेंटेशन में बताया गया कि पेट्रोलियम कंपनियां इस खारे पानी को भूमि से निकालकर पीने योग्य बनाएंगी। केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सभी पेट्रोलियम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वो जलशक्ति मंत्रालय के साथ मिलकर भूमि में उपलब्ध 482 बिलियन क्यूबिक मीटर जल को लेकर काम करें।

वहीं केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में सौर और विंड पावर से ऊर्जा पैदा की जा

रही है। भविष्य में भी यहां से पैदा होने वाली ऊर्जा से देश की पूर्ति होगी।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष नवंबर में पश्चिमी राजस्थान की गहराई में भूजल को लेकर पेट्रोलियम कंपनियों ने बैठक की थी। वर्तमान में ओआइएल जैसलमेर में पीने का पानी उपलब्ध करा रही है। वह 150-250 मीटर गहरे बोरवेल से प्रतिदिन 21000-50000 लीटर पानी निकाल रही है। केयरन-वेदांता बाड़मेर में क्षेत्रीय लोगों को पेयजल उपलब्ध करा रही है, जबकि एचपीसीएल 200 किमी लंबी पाइप लाइन डालकर रिफाइनरी की टाउनशिप को पेयजल देगी।

इस दौरान राजस्थान में कार्यरत ओआइएल, एचपीसीएल, केयरन-वेदांता समेत अन्य कंपनियों के प्रतिनिधि, जलशक्ति मंत्रालय के अधिकारी भी शामिल थे।



Hindustan Times (New Delhi)  
The Statesman (New Delhi)  
The Times of India (New Delhi)  
The Indian Express (New Delhi)  
The Hindu (Delhi)  
Pioneer (Delhi)  
राष्ट्रीय सहारा (दिल्ली)

☐ Deccan Herald (Bengaluru )  
☐ Deccan Chronicle  
☐ The Economic Times (New Delhi)  
☐ Business Standard (New Delhi)  
☐ The Tribune (Gurugram)  
☐ Financial Express  
☐ दैनिक भास्कर (नई दिल्ली)

☐ हिंदुस्तान (नई दिल्ली)  
☐ नव भारत टाइम्स (नई दिल्ली)  
☒ पंजाब केसरी (दिल्ली)  
☐ राजस्थान पत्रिका (नई दिल्ली)  
☐ दैनिक जागरण (नई दिल्ली)  
☐ जनसत्ता (दिल्ली)  
☐ अमर उजाला (नई दिल्ली)

☐  
☐  
☒  
☐  
☐  
☐  
☐

and documented at WSE Dte, CWC.

PK-7/3

## लहलहाती फसल बर्बाद देख किसानों के छलक आए आंसू बारिश और ओलावृष्टि के बाद फसल हुई बर्बाद



पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): शुक्रवार को दिल्ली में हुई बारिश और गिरे ओले के कारण बाहरी दिल्ली के अधिकतर क्षेत्रों में फसलें खराब हो गई हैं। नरेला, नजफगढ़, मुंडका सहित अन्य क्षेत्रों के किसानों ने बताया कि बेमौसम हुई बारिश के कारण गेहूँ, फूल सहित अन्य की फसल खराब हो गई। वहीं, घोगा गांव में बारिश और ओलावृष्टि से गेहूँ, बरसीम की फसल खराब हो गई है। लगातार दो दिनों से हो रही बरसात से किसान की दानों से भरपूर लहलहाती गेहूँ की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। इस वजह से अब किसान को शायद अनाज शायद ही मिले। रातभर हुई बारिश के बाद सुबह जब किसान अपने खेत में गए तो बर्बादी का मंजर देखकर उनके आंसू छलक आए। गांव के किसानों का कहना है कि गेहूँ के खेतों में डेढ़ फुट पानी भर गया है। किसानों का कहना है कि अब तो हम सरकार से कुछ मदद की आस लगाए बैठे हैं, सरकार को सर्वे कराकर मुआवजे के बारे में विचार करना चाहिए।

खेतों में बरसात का पानी भर जाने से पूरी फसल बर्बाद हो गई।